अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 कतर से भारतीय मूल के पूर्व नौसेना अफसरों की रिहाई,...
6 टीम इंडिया में तोड़-फोड़ बैटिंग करने वाले प्लेयर की एंट्री, ...
7 अ.भा.पत्रकार सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय बैठक रायगढ़ में संपन्न हुई...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-03 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 13 फरवरी से 19 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

शंभू बॉर्डर पर बवाल के बीच कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा का बड़ा बयान, किसानों से बोले- एक बात दिमाग में रखें

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हम बातचीत के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लेकिन कुछ उपद्रवी तत्व किसानों के मार्च को हाईजैक करने की कोशिश में लगे हुए हैं

हरियाणा और पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों ने मंगलवार को दिल्ली की ओर मार्च शुरू किया। 200 से ज्यादा किसान संगठन 'दिल्ली चलो' मार्च के लिए राष्ट्रीय राजधानी की तरफ बढ़ रहे हैं। हालांकि, शंभू बार्डर पर किसानों को सीमा में दाखिल होने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से आंसू गैस के गोले दागे गए हैं। वहीं, सरकार ने कहा कि किसी भी समस्या का हल केवल बातचीत के जरिये ही निकाला जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हम बातचीत के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लेकिन कुछ उपद्रवी तत्व किसानों के मार्च को हाईजैक करने की कोशिश में लगे हुए हैं। अर्जुन मुंडा ने कहा कि किसानों के साथ दो दौर की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकल सका। किसी भी समस्या के हल तक पहुंचने के लिए आगे की चर्चा जरुरी है। उन्होंने आगे कहा कि हम कोई रास्ता निकालने के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

कुछ उपद्रवी मार्च का फायदा उठाने की कोशिश में

अर्जुन मुंडा ने कहा कि किसानों को यह ध्यान रखना चाहिए कि अन्य लोग उनके प्रदर्शन का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर भरोसा रखने का आग्रह जताया। मुंडा ने कहा कि इनमें कई ताकतें हैं जो किसानों को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरुरत है। सरकार किसानों के हितों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

अर्जुन मुंडा उस डेलिगेशन का हिस्सा थे, जिसने कल चंडीगढ़ में किसान नेताओं से बातचीत की थी। साथ ही, दिल्ली तक कूच करने के लिए मनाने की भी काफी कोशिश की थी। हालांकि, बैठक में कुछ मांगों पर सहमति बनी, लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाला कानून बनाने सहित तीन प्रमुख मांगों पर कोई सहमति नहीं बन सकी। अर्जुन मुंडा ने कल देर रात मीटिंग के बाद कहा कि हम कुछ मुद्दों पर सहमत हो गए हैं और कुछ पर सहमति बनने के

लिए हमे राज्यों से बातचीत करनी पड़ेगी। हम बातचीत के जरिये समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

लाल किले में आम लोगों की एंट्री बंद, कई मेट्रो स्टेशन के गेट बंद

दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों से एहतियातन लाल किले में आम लोगों की एंट्री पर पाबंदी लगा दी है।

किसानों के 'दिल्ली चलो मार्च' के चलते आज सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच देर रात तक बैठक चली। आंदोलन पर अड़े किसानों को मनाने की सरकार ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन 5 घंटे से ज्यादा समय तक चली बैठक बेनतीजा रही। अब किसान दिल्ली के शंभू बार्डर तक पहुंच चुके हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए और ड्रोन से निगरानी भी की जा रही है। इसी बीच लालकिले को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है।

पिछली बार के किसान आंदोलन के दौरान अधिकतर किसानों ने ट्रैक्टर परेड निकाली थी और लाल किले में घुस गए थे। साथ ही, जिस जगह तिरंगा लहराया जाता था। वहां पर चढ़ कर प्रदर्शनकारियों ने झंडा फहरा दिया था। इसके बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। इसके बाद आज किसानों के दिल्ली कूच के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों से एहतियातन लाल किले में आम लोगों की एंट्री पर पाबंदी लगा दी है। इसके साथ ही लाल किले के बाहर बैरिकेडिंग और कड़ी कर दी गई है।

पूर्व कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण BJP में शामिल, कल राज्यसभा के लिए करेंगे नामांकन

कांग्रेस को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जोरदार झटका देने के बाद महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कद्दावर नेता अशोक चव्हाण मंगलवार को बीजेपी में शामिल हो गए। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए उन्होंने खुद ही बीजेपी में जाने की बात की पुष्टि की थी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि 65 वर्षीय अशोक चव्हाण बुधवार 14 फरवरी 2024 को राज्यसभा के लिए नामांकन भी कर सकते हैं। बीजेपी उनको राज्यसभा में अपना उम्मीदवार बनाएगी। उधर, मुंबई कांग्रेस के पूर्व प्रमुख और

एमएलसी भाई जगताप ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व को वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने के कारणों पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

मुंबई बीजेपी ऑफिस में औपचारिक रूप से ली पार्टी की सदस्यता अशोक चव्हाण का पूरा नाम अशोकराव शंकरराव चव्हाण दोपहर करीब एक बजे मुंबई बीजेपी ऑफिस पहुंचे और औपचारिक रूप से पार्टी में की सदस्यता ली। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व एमएलसी अमर राजुरकर भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस मौके पर राज्य उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने अशोक चव्हाण के पार्टी छोड़ने के लिए अपने ही नेताओं के रूखे व्यवहार को वजह बताई। उन्होंने कहा कि वे कई मुद्दों को लेकर शीर्ष नेताओं के सामने अपनी बात रख चुके थे।

अमेठी के बाद रायबरेली से भी दूर होगा गांधी परिवार? सोनिया गांधी कल राज्यसभा के लिए दाखिल करेंगी नामांकन

सोनिया गांधी बुधवार को राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए बुधवार यानी कल अपना नामांकन दाखिल करेंगी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सोनिया गांधी हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा जाएंगी या राजस्थान से। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी थी कि वो राजस्थान के रास्ते से राज्यसभा पहुंच सकती हैं। वर्तमान में वो उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से लोकसभा सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया के अलावा अभिषेक मनु सिंघवी भी राज्यसभा जा सकते हैं। इससे पहले चर्चा थी कि सोनिया गांधी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के रास्ते राज्यसभा पहुंच सकती हैं।

अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी आज दिल्ली से अबू धाबी पहुंचेंगे। शाम के समय वह अहलान मोदी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और लोगों को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर यूएई पहुंच चुके हैं। 14 फरवरी को वह अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, यूएई में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस कार्यक्रम में भारी लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है। हालांकि, इस कार्यक्रम से पहले बारिश ने पूरा मजा किरकिरा कर दिया है। बारिश की वजह से कार्यक्रम के समय को घटा दिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात में पहला हिंदू मंदिर बनकर पूरा हो चुका है। इसका उद्घाटन पीएम मोदी अपने हाथों से करेंगे। बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, यूएई का पहला हिंदू मंदिर है। इस मंदिर को 900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें 7 गोपुरम और अनेक मूर्तियों को कलाकारी के साथ उकेरा गया है। यह न केवल देश में सांस्कृतिक विविधता को दिखाता है बल्कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच संबंध को भी मजबूती देने में काफी अहम योगदान देता है। इस मंदिर में लगभग 2000-5000 भक्तों के मंदिर में आने की उम्मीद है।

संपादकीय

सच्चाई तो यही है कि कतर सरकार ने इन पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार करने और सजा सुनाने में कुछ जल्दबाजी दिखाई। उसने नियमों के मुताबिक भारत को इस मामले से अवगत नहीं कराया, न आरोपी पक्ष को अपनी सफाई का मौका दिया। दूसरे सूत्रों कतर में मौत की सजा पाए भारतीय मूल के आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिहाई निस्संदेह भारत की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी है।

कतर से भारतीय मूल के पूर्व नौसेना अफसरों की रिहाई, मोदी सरकार की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी

करीब डेढ़ वर्ष पहले इन अधिकारियों को इजराइल के लिए पनडुब्बी तकनीक की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसकी सूचना न तो भारतीय दूतावास, और न उनके परिजनों को दी गई थी। दूसरे स्रोतों से जब उनके परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने भारत सरकार से गुहार लगाई।

संपादक-
गोपाल गावंडे

मामला प्रकाश में आने के बाद भारत सरकार का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ और इस संबंध में मध्यस्थता और बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था, प्रधानमंत्री ने भी वहां के शासक से इस संबंध में बात की थी। इसका असर यह हुआ कि करीब दो महीना पहले कतर में भारत के राजदूत को इन गिरफ्तार भारतीय नागरिकों से मिलने की इजाजत दी गई और फिर उनकी फांसी की सजा को कैद में बदल दिया गया। अब कतर सरकार ने उन्हें रिहा कर दिया है, मगर अभी तक मामले की ठीक-ठीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

गौरतलब है कि ये भारतीय नागरिक नौसेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे और उनमें से कई वरिष्ठ पदों पर रहे थे। अवकाश प्राप्त करने के बाद कतर की एक निजी नौसेना कंपनी के लिए सेवाएं दे रहे थे। सैन्य परियोजनाओं में दुश्मन देशों के लिए जासूसी के मामले कोई नई बात नहीं हैं। इसके लिए सरकारें अपना पुख्ता निगरानी तंत्र रखती हैं। कतर जैसे देशों में ऐसे अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान है, इसलिए जब भारतीय नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगा, तो वहां की अदालत ने कड़ी सजा सुनाई थी।

हालांकि यह मामला इसलिए सबको हैरान करने वाला था कि जिन अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई, वे भारतीय नौसेना के जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर चुके थे और सैन्य परियोजनाओं की जासूसी के अंजाम से अच्छी तरह वाकिफ थे। उनसे ऐसी असावधानी या किसी लोभ में काम करने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी।

भारत सरकार का विदेश मंत्रालय अभी पूरे मामले की तह में जाने का प्रयास कर रहा है, पर प्रथम दृष्टया यही लगता है कि जरूर कतर सरकार के निगरानी तंत्र से जासूसी प्रकरण में तथ्य जुटाने को लेकर कोई चूक हुई थी। कई बार मुख्य साजिशकर्ता कोई और होता है और शक के आधार पर उसमें दूसरे लोग भी फंस जाते हैं। कतर के साथ भारत के संबंध बहुत मधुर हैं। पिछले हफ्ते ही उसके साथ भारत ने बीस वर्षों के लिए प्राकृतिक गैस आपूर्ति का बड़ा करार किया है। कई लोग पूर्व नौसैनिकों की रिहाई को इससे भी जोड़ कर देख रहे हैं, मगर कोई भी सरकार व्यापार के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से ऐसा समझौता नहीं कर सकती।

सच्चाई तो यही है कि कतर सरकार ने इन पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार करने और सजा सुनाने में कुछ जल्दबाजी दिखाई। उसने नियमों के मुताबिक भारत को इस मामले से अवगत नहीं कराया, न आरोपी पक्ष को अपनी सफाई का मौका दिया। दूसरे सूत्रों के मिली जानकारी के आधार पर भारत सरकार ने अपने नागरिकों की रिहाई की कोशिश शुरू की थी।

अगर अंतरराष्ट्रीय अदालत में इसे चुनौती दी जाती, तो कतर का पक्ष कमजोर साबित होता। फिर, अगर सचमुच भारतीय नागरिकों की जासूसी में संलिप्तता रही होती और उसके पुख्ता प्रमाण कतर सरकार के पास होते, तो वह उसे छिपाने का प्रयास नहीं करती।

राजनीति

बीजेपी का गढ़ है जबलपुर, 27 साल से इस सीट पर जीत के लिए तरस रही कांग्रेस

जबलपुर से कांग्रेस के महापौर जगत बहादुर अन्नू बीजेपी में शामिल हो गए। ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।लोकसभा चुनाव 2024 की तारीखों के ऐलान से पहले ही तमाम राजनीतिक दलों ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऐसे ही मध्य प्रदेश की जबलपुर लोकसभा सीट एक महत्वपूर्ण सीट है। इस सीट पर पिछले 27 साल से भाजपा काबिज है। हालांकि, जबलपुर में आजादी के बाद से लगातार 14 साल तक कांग्रेस का कब्जा रहा था।

जबलपुर को भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माना जाता है। पहले आम चुनाव के बाद से साल 1974 तक इस सीट पर कांग्रेस का दबदबा था। 1982 में पहली बार जबलपुर में भाजपा को जीत मिली लेकिन दो साल बाद 1984 में कांग्रेस ने सीट वापस ले ली। 1989 के चुनाव में फिर यह सीट भाजपा के खाते में आ गई। 1991 में कांग्रेस ने इस सीट पर पुन- कब्जा जमाया लेकिन 1996 से जबलपुर भाजपा के गढ़ में परिवर्तित हो गया।

कौन है जबलपुर का वर्तमान सांसद?

जबलपुर लोकसभा क्षेत्र से वर्तमान सांसद भाजपा के राकेश सिंह हैं. उन्होंने कांग्रेस के पंडित विवेक कृष्ण तन्खा को मात दी थी। राकेश सिंह दो दशक तक जबलपुर से सांसद रहे। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद वह प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री हैं। जबलपुर संसदीय सीट से कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा को भाजपा नेता सांसद राकेश सिंह ने कई बार पराजित किया। राकेश सिंह के प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के बाद अब भाजपा संसदीय क्षेत्र के प्रतिनिधित्व के लिए नए चेहरे की तलाश में है।

लोकसभा चुनाव 2019 के परिणाम

पिछले चुनाव में राकेश सिंह को जहां 8.26 लाख वोट मिले थे वहीं, पंडित विवेक को 3.71 लाख मत मिले थे। ऐसे में भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस उम्मीदवार को 4.54 लाख मतों के अंतर से हराया। पिछले चुनाव में जबलपुर में 18.19 लाख मतदातों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 9.41 लाख और महिला मतदाताओं की संख्या 8.77 लाख थी। कुल 69त्न वोट पड़े थे।

जबलपुर में 8 विधानसभाएं पाटन, बरगी, जबलपुर पूर्व, जबलपुर उत्तर, जबलपुर कैंट, जबलपुर पश्चिम, पनागर, सिहोरा हैं। जबलपुर की कुल जनसंख्या 25,41,797 है, जिनमें से 40 प्रतिशत लोग गांवों में और 59 प्रतिशत लोग शहरों में निवास करते हैं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर दूसरे नंबर पर कांग्रेस और नंबर 3 पर बसपा थी। उस साल यहां कुल वोटरों की संख्या 17 लाख 11 हजार 683 थी, जिसमें से मात्र 10 लाख 2 हजार 184 लोगों ने अपने मतों का प्रयोग किया था। जबलपुर की 87 प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म में और 8 प्रतिशत लोग इस्लाम धर्म में भरोसा रखते हैं।

8542 का जुआ पकड़ा

इन्दौर। विजयनगर पुलिस ने एक मकान पर छापा मार कर आधा दर्जन जारी को गिरफ्तार कर उनके पास से 8542 रुपए नकदी बरामद किए हैं। इसी प्रकार पलासिया पुलिस ने भी जुआ खेलते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यात्री का बैग चुराया

इन्दौर। विजयनगर पुलिस ने एक मकान पर छापा मार कर आधा दर्जन जारी को गिरफ्तार कर उनके पास से 8542 रुपए नकदी बरामद किए हैं। इसी प्रकार पलासिया पुलिस ने भी जुआ खेलते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यात्री का बैग चुराया

इन्दौर। महेश पिता मोहनलाल किसनानी निवासी सिंधी कॉलोनी का बाग सरवटे बस स्टैंड से अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। बैग में नगदी और क्रेडिट एटीएम और आधार कार्ड रखा था। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

भांग बेचते पकड़ा

इन्दौर। पुलिस द्वारकापुरी ने कुंदन नगर स्थित पान की दुकान में अवैध रूप से भांग बेचते हुए कैलाश प्रजापत को पकड़ा इसके पास से 2 किलो गीली भांग बरामद की। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

टक्कर से गार्ड गंभीर

इन्दौर। एरोड्रम क्षेत्र में ड्यूटी कर साइकिल से घर जा रहे सिक्योरिटी गार्ड विनय सिंह पिता विक्रम सिंह गहलोत को कार ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

अधेड़ को चाकू मारा

इन्दौर। महेश यादव नंद नगर में रहने वाले रमेश पिता शिवनारायण वर्मा 55 साल को पैसे के लेनदेन की बात को लेकर अशोक चौहान ने चाकू मार दिया और भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

नशा करते चार बंदी

इन्दौर। सदर बाजार पुलिस ने किला मैदान के पास गांजा पीते हुए विनोद पिता मदन लाल यादव हरीश परिहार कमल पिता जगदीश सेन और अजय सोलंकी को पकड़ा। उनके पास से गांजे की पुड़िया बरामद की सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रिक्शा की कांच फोड़े

इन्दौर। रंजीत पिता किशनलाल माली निवासी उद्योग नगर की घर के बाहर खड़ी ऑटो रिक्शा में दे रात अज्ञात बदमाश ने कांच फोड़ दिए। फरियादी रंजीत की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 436 का केस दर्ज किया है।

किशोर और किशोरी लापता

इन्दौर। कमलेश पिता रामचंद्र चौधरी निवासी हुकमचंद कॉलोनी दे रिपोर्ट दर्ज कराएगी उसका 14 वर्षीय बेटा मयूर को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। इसी प्रकार सिलिकॉन सिटी में रहने वाली किशोरी परिजन को रिश्तेदार के यहां जाने का बोलकर निकली थी जो लापता हो गई। दोनों मामलों में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया।

हंगामा करते बंदी

इन्दौर। एमआईजी पुलिस ने अमर टेकरी के पास हंगामा करते हुए दिलीप पिता पूनम चंद अशोक पिता राम प्रसाद यशवंत पिता मुन्नालाल और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी आपस में झगड़ा कर शांति भंग कर रहे थे। इनके खिलाफ धारा 160 के तहत केस दर्ज किया है।

महिला को धमकाया

इन्दौर। रोशनी पति विजय शर्मा निवासी कालानी नगर के घर में घुसकर अशोक पिता हरीश चौहान ने किसी बात को लेकर मारपीट की और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

बुजुर्ग की लाश मिली

इन्दौर। किशनगंज थाना अंतर्गत फोरलेन रोड पर बीती रात एक अज्ञात बुजुर्ग की लाश पुलिस ने बरामद की है। पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग को किसी अज्ञात वाहन में कुचल दिया। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

किशोरी से की हरकत

इन्दौर। पार्श्वनाथ कॉलोनी में रहने वाली महिला की शिकायत रोहित परिहार के खिलाफ धारा 354 का केस दर्ज किया है।महेश पिता मोहनलाल किसनानी निवासी सिंधी कॉलोनी का बाग सरवटे बस स्टैंड से अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। बैग में नगदी और क्रेडिट एटीएम और आधार कार्ड रखा था। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

भांग बेचते पकड़ा

इन्दौर। पुलिस द्वारकापुरी ने कुंदन नगर स्थित पान की दुकान में अवैध रूप से भांग बेचते हुए कैलाश प्रजापत को पकड़ा इसके पास से 2 किलो गीली भांग बरामद की। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

HSRP नम्बर प्लेट नहीं होने पर 15 वाहनों पर कार्रवाई

55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा इंदौर में HSRP नम्बर प्लेट नहीं लगी होने पर चालानी कार्यवाही की जा रही हैं। इसके तहत आज 15 वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट नहीं पाई गई, जिनपर जुर्माना लगाया गया। साथ ही अन्य वाहनों पर भी मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम और मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही कर 55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही HSRP नम्बर प्लेट लगवाने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय तथा संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूली वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। वाहनों के फ़िटनेश, परमिट, बीमा, PUC, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे हैं। बसों में ओवर-लोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। यात्रियों से वाहन की स्पीड ,चालक-परिचालक के व्यवहार के सम्बंध में फीडबैक भी लिया जा रहा है। यात्री वाहनों पर परमिट शर्तों के उल्लंघन होने पर जुर्माना लगाया गया। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है समझाईस भी दी जा रही है। कुल 70 वाहनों को चेक किया गया जिनमें से 15 वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट नहीं पाई गई, जिनपर जुर्माना लगाया गया। साथ ही अन्य वाहनों पर भी मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम और मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही कर 55 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

डॉक्टर की बुजुर्ग मां से सोने की चेन और कंगन चोर लेकर फरार

इंदौर 13 फरवरी मल्हारगंज क्षेत्र में एक डॉक्टर की मां के साथ दो चोरों ने चोरी का डर बात कर वारदात को अंजाम दिया। चोर बुजुर्ग महिला से सोने की चेन और कंगन लेकर भाग गए.प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना मल्हारगंज थाना अंतर्गत अमेरिकन ऑप्टिशियन शॉप के सामने विंध्याचल नगर में गेट की है। फरियादी कमलाबाई जैन 80 साल सुबह मंदिर के दर्शन कर घर जा रही थी इसी दौरान दो व्यक्ति उनके पास पहुंचे और कहा कि आगे चोरी की वारदात हो गई है आप सोने के जेवर उतार कर पर्स में रख लो। इसके बाद आरोपियों ने दो तोला सोने की चेन और तीन तोला सोने के कंगन अपने हाथ से उतरवाय और एक पुड़िया में बांधकर पर्स में रखें। इसके बाद दोनों व्यक्ति वहां से भाग गए। कमलाबाई जैन ने कुछ देर बाद पर्स खोला तो उसमें चैन और कंगन नहीं मिले। बाद में उन्होंने अपने डॉक्टर बेटे को जानकारी दी । मल्हारगंज पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

भंवरकुवा पुलिस को मिली सफलता

राह चलते मोबाइल लूटने वाले बदमाश धराएं , 21 फोन मिले

इंदौर । भंवर कुवा पुलिस ने रहा चलते लोगों से मोबाइल फोन लूटने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से 21 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। मुख्य आरोपी जानू बंजारा फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 जनवरी को कुशवाहा का बगीचा पिपलिया राव में छात्र के साथ मोबाइल फोन लूटने की घटना हुई थी पुलिस ने लूट का केस दर्ज किया। थाना क्षेत्र में बढ़ती घटनाओं को लेकर प्रभारी पुलिस उपायुक्त आदित्य मिश्रा ने आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अभिनव विश्वकर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त देवेंद्र सिंह धुर्वे के द्वारा टी आई राजकुमार यादव को कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

टी आई यादव ने टीम गठित कर आरोपी मनीष दावर 19 साल निवासी भीकनगांव हाल मुकाम तेजपुर गड़बड़ी प्रकाश अखाड़े 20 साल निवासी गोकुल नगर और अनिल अखाड़े निवासी गोकुल नगर को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से लूट और चोरी किए ब्रांडेड कंपनियों के 21 मोबाइल फोन कीमत 5 लख रुपए के जप्त किए हैं। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और भी वारदातों की जानकारी मिलने की संभावना है। आरोपी आदत अपराधी है दिन में प्रकाश थाना राजेंद्र नगर का लिस्टेड बदमाश है जिसके विरुद्ध लोट चोरी के 30 प्रकरण दर्ज है। आरोपियों का मुख्य साथी जानू बंजारा फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

पतंग उड़ाने की बात को लेकर दो पक्षों में संघर्ष

डंडे और हॉकी से किया हमला

इंदौर 13 फरवरी छतरीपुरा थाना अंतर्गत सिलावट पूरा क्षेत्र में पतंग उड़ाने की बात को लेकर दो पक्षों में कहा सुनी हो गई। विवाद इतना बड़ा की दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और एक दूसरे के साथ डंडे और हॉकी से मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नजमा पति हनीफ की रिपोर्ट पर इमरान खान जावेद खान शाहिद वसीम सोनू अली आदि के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष के मोहम्मद वसीम की रिपोर्ट पर नौशाद हनीफ खान गुड्डू बिलाल इरफान फरदीन आदि के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि वसीम के बच्चे छत पर पतंग उड़ा रहे थे इस दौरान आपस में दूसरे पक्ष के बच्चों से कहा सुनी हो गई थी। विवाद इतना बड़ा की दोनों पक्ष के लोग सड़क पर आ गए और डंडे हाथी से एक दूसरे पर हमला कर दिया जिसमें चार लोगों को चोट आई है। छतरीपुरा पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज किया है।

ट्रेन की टक्कर से महिला की मौत

ट्रेन हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक महिला का नाम कुसुंबी पति राजाराम 60 साल निवास ए जूनी इंदौर है। वह कल सुबह 6:00 बजे रेलवे पटरी क्रॉस कर रही थी इसी दौरान डेमो ट्रेन वहां से निकली जिसकी वह चपेट में आ गई थी।

बसंत पंचमी पर विशेष

सरस्वती पूजन सबसे पहले किसने किया

इस बार 14 फरवरी को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा की जाती है। मां सरस्वती की पूजा के पीछे कई मान्यताऐं हैं। आइए जानते हैं सबसे पहले किसने किया था माता सरस्वती का पूजन।

बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा के पीछे कई मान्यताएं हैं। इस दिन मां सरस्वती का स्मरण, पूजन एवं मां सरस्वती के नाम से स्नान, दान कर ध्यान करने से अंत:करण में स्थित सरस्वती जिह्वा पर विराजमान हो जाती हैं। अज्ञानी भी ज्ञानी बनकर समाज में नाम, सम्मान, यश, कीर्ति अर्जित करते हैं, आइए जानते हैं सर्वप्रथम सरस्वती का पूजन किसने किया था।

सिर पर मोर मुकुट, गले में वैजयन्ती माला, हाथों में ब्रह्माण्ड को मन मोहने वाली मुरली धारण किए हुए सबके स्वामी, सबके आधार भगवान श्रीकृष्ण, परम ईश्वर के द्वारा सर्वप्रथम माता सरस्वती का पूजन किया गया था। ब्रह्म वैवर्तपुराण के प्रकृति खण्ड के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा पूजित होने पर माता सरस्वती सब लोकों में सबके द्वारा पूजी जाने लगीं जिनकी कृपा से मूर्ख भी पंडित हो जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने सरस्वती जी को यह वरदान दिया कि ब्रह्माण्ड में प्रत्येक माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर बड़े गौरव और आस्था के साथ तुम्हारी पूजा होगी। श्रीकृष्ण ने सरस्वती जी को इस तिथि को यह भी कहा, मेरे वर के प्रभाव से आज से लेकर प्रलय तक प्रत्येक कल्प में मनुष्य, देवता, मुनिगण, योगी, नाग, गंधर्व और राक्षस सभी बड़ी भक्ति के साथ सोलह प्रकार के उपचारों के द्वारा तुम्हारी पूजा करेंगें। तब से सरस्वती जी सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा माघ शुक्ल पंचमी के दिन पूजित होने लगीं और यह दिन सरस्वती जयंती के नाम से भी जाना जाने लगा।

सरस्वती पूजन का महत्व - विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर अद्भुत प्रभाव हेतु सरस्वती की पूजा की जाती है। जब व्यास जी ने वाल्मीकि जी से पुराण सूत्र के बारे में पूछा तो वह बता न सके। ऐसी स्थिति में व्यास जी ने जगदम्बा सरस्वती की स्तुति की तो उनकी कृपा से वाल्मीकि जी को ज्ञान हो गया और सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। सरस्वती जी से वर पाकर व्यास जी कवीश्वर बन गए और उन्होंने पुराणों की रचना की।

सरस्वती जी की उपासना से ही इन्द्र शब्द शास्त्र और उसका अर्थ समझ पाए अत: ज्ञान प्राप्ति हेतु देवी की उपासना, पूजा ही श्रेयस्कर है। मां सरस्वती के प्रसाद से ही शुक्राचार्य सभी दैत्यों के पूज्यनीय गुरु हो गए। सरस्वती कृपा से ही भगवान वेद व्यास चारों वेदों को विभक्त कर सम्पूर्ण पुराणों की रचना कर पाए। ज्ञान से सिर्फ शब्द समझ में आते हैं और अनुभव से उसका अर्थ, विद्या मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास के लिए है। जिस प्रकार शारीरिक विकास के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी तरह मस्तिष्क के विकास के लिए विद्या की आवश्यकता होती है।

देवी सरस्वती का स्वरूप और उनके हाथों मे वीणा और वाहन हंस होने का रहस्य जानें

सरस्वती पूजा में माता सरस्वती की मूर्ति और तस्वीर जब आप घर लाते हैं तो देखते हैं कि माता श्वेत वस्त्र में होती हैं। माता के हाथों में वीणा, पुस्तक, माला और उनसके साथ उनकी सवारी हंस विराजमा होता है। आइए जानते हैं माता सरस्वती के इस स्वरूप का क्या है रहस्य।

देवी सरस्वती का स्वरूप निर्मल चांद के समान है और मुख पर कांति व्याप्त है। माता स्वेत और पीत वस्त्रों को धारण करती हैं। मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप ब्रह्मचारिणी माता को देवी सरस्वती का ही रूप माना जाता है। ब्रह्मचारिणी माता के रूप में देवी सरस्वती पीत वस्त्र धारण करती हैं। वैसे आमतौर पर माता सरस्वती को स्वेत वस्त्रों को धारण किए ही हर प्रतिमा और तस्वीरों में दिखाया जाता है। माता कमल पर और हंस पर विराजमान होती हैं। और अपने चतुर्भुज रूप को धारण कर वीणा की मधुर ध्वनि झंकृत करती हैं। माता की वीणा की इसी ध्वनि से सृष्टि में सभी जीव जंतुओं पर प्रकृति में स्वर गूंजता है। आइए जानते हैं माता के निर्मल और उज्जवल स्वरूप और हाथों में वीणा, पुस्तक, अक्ष माला एवं वाहन हंस होने का रहस्य।

माता सरस्ववती स्वेत और पीत वस्त्र क्यों धारण करती हैं

माता सरस्वती को ज्ञान की देवी कहा जाता है। सृष्टि में ज्ञान विज्ञान और जितनी भी विद्याएं हैं सबकी देवी माता सरस्वती हैं। माता सरस्वती ज्ञान की प्रकाष्ठा हैं इसलिए इन पर सांसारिक रंग चढ ही नहीं सकता है। इसलिए माता शांति और आत्मिक शुद्धि का प्रतीक रंग रंग का वस्त्र धारण करती हैं। जबकि पीत वस्त्र त्याग और भक्ति भाव का प्रतीक है। पीले रंग का संबंध गुरु ग्रह से भी माना जाता है जो ज्ञान के कारक ग्रह हैं। इसलिए देवी सरस्वती को ज्ञान का प्रतीक रंग पीला भी प्रिय है। इसलिए देवी सरस्वती को प्रसाद के रूप में पीले फल और मिठाई का भोग लगाया जाता है।

देवी सरस्वती के हाथों में पुस्तक का रहस्य

देवी सरस्वती ज्ञान की देवी हैं और पुस्तक ज्ञान का भंडार है। कहते हैं सृष्टि का संपूर्ण ज्ञान वेदों में छिपा है बस उसे समझने की जरूरत है। देवी सरस्वती ज्ञान की उसी प्रतिमूर्ति वेदों को अपने हाथों में धारण करती हैं। वेद माता की हाथों की शोभा हैं। इसलिए सरस्वती पूजा के दिन बच्चे उन पुस्तकों को माता सरस्वती के समीप रखते हैं और उनकी पूजा करते हैं जो उन्हें कठिन जान पड़ता है। क्योंकि ऐसी मान्यता है कि माता सरस्वती की कृपा होने से कठिन विषय भी समझना सरल हो जाता है।

माता सरस्वती के हाथों में वीणा का रहस्य

माता सरस्वती के प्राकट्य को लेकर कथा है कि सृष्टि में देवी सरस्वती के आगमन से पहले सृष्टि में कोई ध्वनि नहीं थी। पूरी सृष्टि नि:शब्द और स्वर विहीन थी। देव सरस्वती वीणा लेकर प्रकट हुई थीं। इन्होंने अपनी वाणी के तारों को झंकृत किया तो नदियों और पक्षियों में स्वर गूंजने लगे। मूक सृष्टि में स्वर लहरी बहने लगी। देवी की वाणी प्राण का प्रतीक है, वाणी का प्रतीक है। देवी सरस्वती बताती हैं कि केवल किताबी ज्ञान ही नहीं कला का ज्ञान भी संसार के लिए आवश्यक है। क्योंकि कला विहीन सृष्टि में प्राण का स्पंदन नहीं हो सकता है। इसलिए देवी सरस्वती हाथों में वीणा धारण करती हैं।

माता सरस्वती के हाथों में अक्ष माला का रहस्य

देवी सरस्वती के एक हाथ में अक्ष माला है जिसे सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्माजी भी धारण करते हैं। अक्ष माला अ वर्ण से प्रारम्भ होकर क्ष वर्ण पर समाप्त होती है। यह ज्ञान के अक्षय होने का प्रतीक है। देवी सरस्वती अक्षमाला इसलिए भी धारण करती हैं कि यह छात्रों को बताती हैं कि ज्ञान पाने के लिए साधक की तरह ध्यान मग्न होकर मन का मनका फेरना चाहिए। जो ऐसा करते हैं वही परम ज्ञान को पाने में सफल होते हैं।

भारत के प्रसिद्ध सरस्वती मंदिर, यहां धरती पर पहली बार प्रकट हुई थीं माता

पहाड़ों और नदियों के बीच स्थित इस मंदिर का नजारा देखने लायक है। आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में...

भारत के आखिरी छोर पर है मंदिर

माता सरस्वती पृथ्वी के जिस स्थान पर पहली बार प्रकट हुई थीं, वह स्थान है उत्तराखंड का माणा गांव। बद्रीनाथ से यह मंदिर मात्र 3 किमी की दूरी पर स्थित है। इस स्थान को देश का आखिरी गांव भी कहा जाता था लेकिन अब ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पहला गांव बन गया है, जहां माता सरस्वती का मंदिर है। माणा गांव उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है, जो भारत के आखिरी छोर पर है, इस मंदिर का नाम है सरस्वती मंदिर माणा गांव। मान्यता है कि देवी सरस्वती जब सृष्टि में प्रकट हुई थीं तो इस स्थान पर इनका प्राकट्य हुआ था।

भगवान विष्णु का है दूसरा बैकुंठ

इस स्थान को भगवान विष्णु का दूसरा बैंकुंठ भी कहा जाता है। खूबसूरत पहाड़ और वादियों के बीच स्थिति इस स्थान से ही महाभारत काल में पांडवों ने स्वर्ग की यात्रा प्रारंभ की थी। साथ ही इसी स्थान पर महर्षि वेदव्यासजी और गणेशजी की गुफा भी है, मान्यता है कि इसी गुफा में बैठकर व्यासजी ने गणेशजी को पहली बार महाभारत की कथा सुनाई थी, जिसे सुनकर ही उन्होंने कथा को लिपिबद्ध किया था।

यहीं से पांडव ने शुरू की थी स्वर्ग यात्रा

इसी स्थान से माता सरस्वती का नदी रूप में उद्गम भी है। पौराणिक कथा के अनुसार गंगा, यमुना और सरस्वती के बीच हुए विवाद के कारण माता सरस्वती को नदी के रूप में प्रकट होना पड़ा। इस कथा का जिक्र विष्णु पुराण और श्रीमद् भागवत कथा में मिलता है। इसी जगह पर सरस्वती नदी और अलकनंदी नदी का संगम भी होता है। सरस्वती नदी के उपर एक शिला है, जिसे भीम शीला कहा जाता है। बताया जाता है कि स्वर्ग यात्रा के दौरान भीम ने इस शिला को रखा था, ताकि सरस्वती नदी को पार कर सभी पांडव और द्रोपदी स्वर्ग जा सकें।

सरस्वती नदी का उद्गम स्थल भी यहीं

इस मंदिर में माता सरस्वती की मूर्ति रूप में पूजा की जाती है और माता सरस्वती की मूर्ति एक गुफा में मौजूद है। मंदिर के पास ही सरस्वती नदी का उद्गम स्थल भी है और ठीक मंदिर के बाहर सरस्वती जलधारा बहती है। बताया जाता है कि इस मंदिर के दर्शन मात्र से

व्यक्ति के सभी संकट दूर हो जाते हैं। चारों तरफ पहाड़, जंगल और नदियों के बीच स्थित इस मंदिर का नजारा देखने लायक है। यहां आने पर आपको एक अलग ऊर्जा महसूस होती है, जो आपको आनंदित कर देती है।

देखने लायक है यहां का नजारा

बताया जाता है कि यहां पर ज्ञान व संगीत की देवी माता सरस्वती के सात सुर हैं, जो माता के वीणा के तारों में बसे हैं। सर्दियों में यह जगह पूरी तरह बर्फ की मोटी चादर से ठक जाती है और यहां रहने वाल लोग निचले इलाके में चले जाते हैं। जह सर्दी खत्म हो जाती है, तब यहां लोग वापस आते हैं। यहां से आपको बर्फ से ढ़की हिमालय की चोटियों भी देखने को मिलेंगी, जिसे देखकर आप मोहित हो जाएंगे।भारत के प्रसिद्ध सरस्वती मंदिर, यहां धरती पर पहली बार प्रकट हुई थीं माता

के साथ ओरिजिनल मंजुलिका विद्या बालन की वापसी, अक्षय भी होंगे साथ?

कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ये जानकारी दी कि सबसे पहली भूल भुलैया से ऑरिजिनल मंजुलिका, यानी विद्या बालन की भूल भुलैया 3 में वापसी हो रही है. विद्या की वापसी के बाद, क्या अब अक्षय भी भूल भुलैया 3 में लौट रहे हैं? फिल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी ने इस सवाल का जवाब दिया है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 के लिए दर्शकों का क्रेज और जबरदस्त कामयाबी देखने के बाद मेकर्स ने इसका सीक्वल भी जल्दी ही अनाउंस कर दिया था. अब जनता बेसब्री से कार्तिक के फिर से रूह बाबा बनकर भूल भुलैया 3 में आने का इंतजार कर रही है.

भूल भुलैया 3 के मेकर्स ने हाल ही में एक जबरदस्त अनाउंसमेंट से जनता को सरप्राइज कर दिया. कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ये जानकारी दी कि सबसे पहली भूल भुलैया से ओरिजिनल मंजुलिका, यानी विद्या बालन की भूल भुलैया 3 में वापसी हो रही है।

लौट रही है ओरिजिनल मंजुलिका

पहली फिल्म के आमी जे तोमार गाने में विद्या को देखकर थिएटर्स में बैठे लोग पलकें झपकाना भूल गए थे. जबकि दूसरी फिल्म में इसी गाने के एक मेल वर्जन में कार्तिक आर्यन परफॉर्म करते नजर आए थे।

अब सोशल मीडिया पर कार्तिक ने जो अनाउंसमेंट शेयर की, उसमें उनका रूह बाबा का किरदार और मंजुलिका बनीं विद्या बालन दोनों नजर आ रहे हैं. वीडियो में आमी जे तोमार के दोनों वर्जन (श्रेया घोषाल और अरिजीत सिंह की आवाज में) डुएट की तरह सुनाई दे रहे हैं. और गाने के वीडियो में कार्तिक और विद्या दोनों का इन गानों पर किया डांस भी नजर आता है।

वीडियो शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा, और ये सच में होने जा रहा है. भूल भुलैया में ओरिजिनल मंजुलिका वापस आ रही हैं. विद्या बालन का स्वागत करते हुए बहुत थ्रिल्ड हूं. ये दिवाली धमाकेदार होने वाली ह।

क्या अक्षय की भी होगी वापसी?

विद्या की वापसी के बाद जनता कयास लगा रही है कि क्या अब अक्षय भी भूल भुलैया 3 में लौट रहे हैं? फिल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी ने इस सवाल का जवाब दिया है.

जूम टीवी से बात करते हुए अक्षय ने कहा, मैं उनके साथ काम करने के लिए मरा जा रहा हूं, लेकिन बदकिस्मती से, मैं कोई ऐसी फिल्म नहीं स्क्रिप्ट कर पाया हूं जिसमें हम दोनों साथ काम कर सकें. भविष्य में जरूर करेंगे.% अनीस ने ये भी बताया कि फिल्म का शूट 10 मार्च से शुरू होगा. हालांकि. उन्होंने कहा कि उनकी तरफ से फिल्म की पक्की रिलीज डेट अभी कन्फर्म नहीं की गई है।

माधुरी दीक्षित भी होंगी भूल भुलैया 3 का पार्ट?

कार्तिक की इस फिल्म को लेकर अब ये भी खबर आने लगी है कि माधुरी दीक्षित भी भूल भुलैया 3 में आने वाली हैं. मिड डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, माधुरी इस फिल्म में एक प्रेत का किरदार निभाने वाली है।

एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया, टीम को लगा कि एक और घोस्ट, नैरेटिव को मजबूत बनाएगा. तो यहां रूह बाबा प्रेतात्माओं से लड़ते दिखेंगे जिनके किरदार विद्या और माधुरी निभा रही हैं. इन दोनों एक्ट्रेसेज को साथ में लाकर मेकर्स ने ट्रम्प-कार्ड चल दिया है. बता दें, कार्तिक की भूल भुलैया 2 लॉकडाउन के बाद आई सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है. 2022 की सबसे बड़ी बॉलीवुड फिल्मों में से एक भूल भुलैया 2 भी थी और इसने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 180 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था।

टीम इंडिया में तोड़-फोड़ बैटिंग करने वाले प्लेयर की एंट्री, राजकोट में मिलेगा डेब्यू का मौका?

टीम इंडिया राजकोट में होने वाले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में बदलाव करेगी. ध्रुव जुरेल को डेब्यू टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल सकता है.

टीम इंडिया राजकोट टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव कर सकती है. भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से खेला जाएगा. ध्रुव जुरेल को इस मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है. अगर उन्हें मौका मिला तो यह डेब्यू टेस्ट मैच होगा. ध्रुव विकेटकीपर बैटर हैं और डोमेस्टिक क्रिकेट में कई बार ताबड़तोड़ बैटिंग कर चुके हैं. उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी ध्रुव फर्स्ट क्लास मैचों में दोहरा शतक भी जड़ चुके हैं.

ध्रुव इंडिया ए के लिए भी खेल चुके हैं. उन्हें हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अहमदाबाद में खेली गई सीरीज के लिए टीम में जगह मिली थी. ध्रुव ने एक मुकाबले में अर्धशतक जड़ा. इससे पहले उन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाफ सेंचुरी लगाई थी. अहम बात यह है कि वे अभी फॉर्म में हैं और इसका टीम इंडिया को फायदा मिल सकता है.

कैसा रहा है अब तक करियर -

विकेटकीपर बैटर ध्रुव ने 2022 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था. वे अब तक 15 मैच खेल चुके हैं. इस दौरान 790 रन बनाए हैं. इस दौरान ध्रुव का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 249 रन रहा है. वे एक शतक और 5 अर्धशतक भी लगा चुके हैं. ध्रुव ने लिस्ट ए की 7 पारियों में 189 रन बनाए हैं. इस फॉर्मेट में 2 अर्धशतक लगाए हैं. वे टी20 मुकाबलों में अच्छा परफॉर्म कर चुके हैं।

राजकोट टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में बदलाव -

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था. लेकिन टीम इंडिया ने दूसरे मुकाबले से सीरीज में वापसी की और जीत दर्ज की. अब दोनों ही टीमें एक-एक की बराबरी पर हैं. टीम इंडिया राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में बदलाव करेगी. रवींद्र जडेजा की वापसी हो सकती है. जडेजा और केएल राहुल चोट की वजह से दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेले थे. राहुल चोट की वजह से तीसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं. उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को टीम में जगह मिली है

विराट कोहली के साथी का रणजी ट्रॉफी में कमाल, 4 गेंद में 4 विकेट लेकर रच दिया इतिहास

रणजी ट्रॉफी 2024 में ग्रुप डी में मध्य प्रदेश और बड़ौदा के बीच मैच खेला गया। इस मुकाबले में जिस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी, वो थे लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया। जी हां, कुलवंत की कमाल की गेंदबाजी ने सबका दिल जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने एमपी को मैच जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। खेजरोलिया की इस वक्त हर जगह चर्चा हो रही है।

कुलवंत खेजरोलिया ने 4 गेंद में झटके 4 विकेट

गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया ने बड़ौदा के खिलाफ लगातार चार गेंद में चार विकेट लिए, जिससे उन्होंने पांच विकेट हासिल किये और मध्य प्रदेश ने इंदौर में बड़ौदा पर पारी और 52 रन से जीत हासिल की। खेजरोलिया रणजी ट्रापी इतिहास में चार गेंद में चार विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये। मध्य प्रदेश ने बड़ौदा को 98.3 ओवर में 270 रन पर समेटकर बड़ी जीत दर्ज की और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अ.भा.पत्रकार सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय बैठक रायगढ़ में संपन्न हुई

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन का विस्तार कर पुनर्गठन किया गया

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन का विस्तार कर पुनर्गठन किया गया

रायगढ़/छत्तीसगढ़ । अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय बैठक इस बार छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रखी गई थी जिसमे देश के अन्य राज्यो के पत्रकार पदाधिकारी पहुंचे ।

रायगढ़ में साई श्रद्धा हाटल में राष्ट्रीय बैठक रखी गई जिसमे विभिन्न राज्यों के पत्रकार पदाधिकारी पहुंचे एवम कई राज्यों के पत्रकार आनलाइन भी शामिल हुए बैठक सुबह 11 शुरू होकर शाम 3 बजे तक चली जिसमे संगठन का पुनर्गठन किया और इसके साथ विस्तार भी किया जिसमे इस बार पश्चिम बंगाल, आसाम,पंजाब,हरियाणा,झारखंड उड़ीसा,केरल, हिमाचल तेलंगाना सहित कई राज्य को भी इस बार राष्ट्रिय कार्यकारिणी में प्रतिनिधित्व दिया गया। इन राज्यों को संगठन ने अपनी समिति में शामिल किया कर राष्ट्रीय कार्यकारणी में स्थान दिया गया एवम इन राज्यों में प्रभारी एवम कार्यकारी अध्यक्ष भी नियुक्त किए गए।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कलावडिया ने रायगढ़ की इस बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य हैं जहा कानून बन कर तैयार हैं, भाजपा की सरकार उसे जल्द से जल्द लागू कर छत्तीसगढ़ के पत्रकारों को सुरक्षित करें और पत्रकारों के जो अधिकार इस कानून में छूट गए है उन्हे सामिल करने हेतु छत्तीसगढ़ की समिति प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए भेजे। ये प्रतिनिधि मंडल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें बाकी चीजे कानून में शामिल करने की बात करेंगे जिससे पत्रकारों की सुरक्षा की को मांग छूट गई उन्हे शामिल किया जा सके।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पुन: रचना के बाद की स्थिति इस प्रकार है।

प्रमुख राष्ट्रीय सलाहकार – मुकेश कुमार सिंह(बिहार),राष्ट्रिय संगठन सलाहकार–जे.पी. जडेजा(गुजरात),

राष्ट्रीय अध्यक्ष –जिग्नेश कालावड़िया(गुजरात),??राष्ट्रीय संगठन महासचिव – राकेशप्रतापसिंह परिहार(छत्तीसगढ़),राष्ट्रीय महासचिव – महफूज खान(महाराष्ट्र), रत्नाकर त्रिपाठी(उत्तरप्रदेश),राष्ट्रीय उपाध्यक्ष –नितिन सिंहा(छत्तीसगढ़), दिलशाद खान (महाराष्ट्र),विद्याभूषण श्रीवास्तव(बिहार),राष्ट्रीय सचिव– सुनील चौधरी(उत्तर प्रदेश),मनमोहन सिंह (राजस्थान),राजदीप तोमर(उत्तर प्रदेश),बीरबल शर्मा(नई दिल्ली),श्रीमती सीमा गांगुली(झारखंड), अमन खान (कर्नाटक),राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष – सम्राट बौद्ध (गुजरात),राष्ट्रीय सह सचिव – संजय गोयल (राजस्थान)मोहन रेड्डी(तेलंगाना),मकसूद आलम(झारखंड),सरोज जोशी(मध्य प्रदेश), शेख रईस (राजस्थान), मोहम्मद युनूस (तमिलनाडु),प्रवक्ता –मनोजकुमार सिंह (बिहार),बाबूलाल चौधरी (गुजरात),मीडिया प्रभारी– धवल माकड़िया (गुजरात),कानूनी सलाहकार – मीतवर्धन चंद्रबौध्धि (गुजरात)

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

गोविंद शर्मा (छत्तीसगढ़), श्रीमति आशा यादव (नई दिल्ली), अजय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश), सुजल मिश्रा (गुजरात), नरेंद्र नरेला (मध्य प्रदेश), हरिश्चंद्र पटेल (उत्तर प्रदेश), कमलेश्वर स्वर्णकार (छत्तीसगढ़), दिनेश गढ़वी (गुजरात) रफी खान (उत्तराखंड), अब्दुल रजाक (उड़ीसा),हर हर शंभू चौधरी (उड़ीसा),पुरुषोत्तम दास (हरियाणा), प्रदीप डेका (असम) राजीव सी.पी. (केरला) निरंजन बिस्वाल (ओडीशा) शैलेंद्र दुबे (मध्य प्रदेश),सुशील विश्वकर्मा (मध्य प्रदेश), सीमा भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल) मलय ठाकुर (पश्चिम बंगाल) दिनेश स्वामी (हरियाणा) मोहन लाल मोदी (मध्य प्रदेश) सोमेंद्र जेना (उड़ीसा), डॉ. शशिभूषण (हिमाचल प्रदेश), अजयसिंह परमार (गुजरात)

प्रदेश अध्यक्ष की सूची इस प्रकार हैं

(1) छत्तीसगढ – श्री गोविंद शर्मा,(2) उत्तर प्रदेश – श्री अजयप्रताप सिंह,(3) नई दिल्ली –सुश्री आशा यादव,(4) महाराष्ट्र – जनाब दिलशाद खान ,(5)मध्य प्रदेश। – श्री नरेंद्र नरेला ,(6) झारखंड – श्रीमती सीमा गांगुली (कार्यकारी अध्यक्ष),(7) कर्नाटक – जनाब अमन खान (कार्यकारी अध्यक्ष),(8) बिहार – श्री मनोज कुमार सिंह (कार्यकारी अध्यक्ष),(9) तेलंगाना – श्री मोहन रेड्डी (कार्यकारी अध्यक्ष),(10) असम – श्री प्रदीप डेका (कार्यकारी अध्यक्ष),(11) तमिलनाडु – जनाब मोहमद युनूस (कार्यकारी अध्यक्ष),(12) राजस्थान – श्री मनमोहन सिंह (कार्यकारी अध्यक्ष),(13) उड़ीसा – सोमेंद्र जेना (कार्यकारी अध्यक्ष),(14) केराला – राजीव सी.पी.(कार्यकारी अध्यक्ष)

सभी प्रदेश अध्यक्ष को अपने राज्य में हर जिल्हे में समिति का गठन करके तीन महीने के अंदर सूची राष्ट्रिय कार्यकारिणी को प्रेषित करनी होगी। बाकी राज्यो में कार्यकारिणी सदस्यों की जूम मीटिंग करके बहुत जल्द अध्यक्ष घोषित किए जायेंगे।

आत्मअनुभूति द्वारा आसानी से प्राप्त होता है परम तत्व

सहजयोग में पद, प्रतिष्ठा या अन्य ऐसी कोई चीज नहीं है। हमें विनम्र बनना होगा। यह झूठा अहंकार किसी काम का नहीं है। हमें विनम्र होना चाहिए। जब हम विनम्र होते हैं तो इसे (परम को) पाना और इसे अपने अंदर स्थापित करना बहुत आसान हो जाता है। आखिरकार, यह सब कुछ क्या है? जीवन किस लिए है? कोई आनंद नहीं है। जो भी आप कर रहे हैं, उसका कोई भी सुख नहीं। आप क्या कर रहे हैं?......... जिस तरह से आप सुबह पानी के साथ स्नान करते हैं उसी प्रकार आप इस कुंडलिनी के फव्वारों में नहाएं। वह आपकी माँ हैं। वह युगों युगों से आपकी माँ हैं और उसने आपके बारे में सब कुछ रिकार्ड कर रखा है।...... आपको सामूहिक होना होगा और यह काम करता है। सामूहिकता में आप सब कुछ भूल जाते हैं, आपका पद इत्यादि सब कुछ। इस स्थिति में तब आप दूसरों की मदद कर सकते हैं। आप दूसरों को आत्मसाक्षात्कार दे सकते हैं। आप उनके जीवन बर्बाद होने से बचा सकते हैं। मेरा अर्थ है, यह सब आपकी शक्ति है जो इसे सफल बनाने वाली है। आजकल के भयानक संघर्ष के दौर में हर तरह की घटनाएँ घटित हो रही हैं, हिंसा, इत्यादि। अतः ऐसे समय में सहजयोग की बहुत आवश्यकता है। और आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे, कि यह एक तरह की अनुकंपा है कि लोग इसे प्राप्त करते हैं।

श्री माताजी निर्मला देवी। 12 मार्च, 1990।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की इंदौर जिला इकाई की 21 सदस्यीय नई कार्यकारिणी गठित

लोकेंद्र सिंह थनवार पुनः अध्यक्ष चुने गए

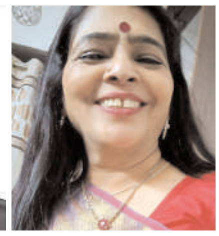

इंदौर (अनिल चौधरी)। प्रदेश के पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला इंदौर इकाई का पुन: गठन किया गया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदोरिया के नेतृत्व मे प्रदेश महासचिव सुनील कुमार त्रिपाठी ने 21 सदस्यीय नई कार्यकारिणी गठित की गई नवगठित कार्यकारिणी में लोकेंद्रसिंह थनवार पुन जिलाध्यक्ष चुने गए। प्रवीण जोशी, सरिता शर्मा, हेमंत व्यास, रश्मि किंगरानी उपाध्यक्ष, राजेंद्रसिंह महासचिव, कल्याण सिंह चांदना कोषाध्यक्ष चुने गए। संजय जोशी, अशोक शर्मा, शालिनी शर्मा और हेमराज यादव सचिव, राम किशोर लोवंशी, अनिल चौधरी, शुभम अग्रवाल और देवेंद्र कुमार साहू सयुंक्त सचिव चुने गए। अर्जुन सिंह राजपूत, मनोज श्रीवास्तव, उषा दुबे, दिनेश देशमुख, प्रकाश कुमार और सुधीर वर्मा कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। रणजीत टाइम्स के जिला ब्यूरो अनिल चौधरी को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया।

इंदौर के तीन मंदिरों को चोरों ने बनाया निशाना

हीरानगर पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज; तीन चोर सहित चौकीदार हिरासत में

इंदौर के हीरानगर में चोरों ने एक के बाद एक तीन मंदिरों को निशाना बनाया है। पुलिस को आरोपियों के मंदिर में घुसते हुए सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इस आधार पर तीन चोर और एक चौकीदार को हिरासत में लिया है। हीरा नगर पुलिस के मुताबिक ईश्वर शर्मा के साथ सुरेश चौधरी व अन्य हीरा नगर थाने पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्कीम नंबर 136 सेक्टर मंमलेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी हैं। वे शनिवार को ताला लगाकर मंदिर से गए थे। रविवार सुबह जब नियमित पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो यहां का गेट खुला मिला। आसपास देखने पर दान पेटी गायब मिली। इसके बाद मंदिर प्रबंधन के लोगों को सूचना दी। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में चोर अंदर घुसते हुए दिखे।

दो और मंदिरों को बनाया निशाना

रहवासियों ने बताया कि उन्हें जानकारी लगी कि आरोपियों ने महाकालेश्वर मंदिर एमआर 10 और सिद्धेश्वर महादेव मंदिर आदर्श मौलिक नगर में भी चोरी की है। पुलिस के मुताबिक उन्हें फुटेज मिले हैं। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर तीनों चोर करण, अर्जुन, जमरु और एक चौकीदार को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

इंदौर के रावजी बाजार में एक घर में लगी आग गृहस्थी का सामान पूरी तरह खाक, दो बेटियों के दहेज का सामान भी जला

इंदौर । रावजी बाजार थाना क्षेत्र में रविवार देर रात आगजनी की घटना हो गई। इलाके के एक मकान में आग लगने के कारण लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। घर में बेटियों के दहेज का सामान भी था। जो पूरी तरह जल गया।घटना के वक्त परिवार घर में नहीं था। नजदीक में शादी समारोह में शामिल होने गया था। परिवार कपड़ों में प्रेस करने का काम करता है। उस वक्त घर में 50 ग्राहकों के कपड़े रखे हुए थे। गृहस्थी के सामान के साथ ग्राहकों के कपड़े भी जल गए।घटना के बाद विधायक गोलू शुक्ला मौके पर पहुंचे। कलेक्टर से फोन पर चर्चा कर पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद की बात कही। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

साउथ तोड़ा में बचे अतिक्रमण हटाएब्बड़े शेड्स बनाकर किया था कब्जा; पुलिस बल के साथ की कार्रवाई

नगर निगम द्वारा सोमवार को साउथ तोड़ा क्षेत्र में फिर से अतिक्रमण हटाए गए। ये वे अतिक्रमण थे जो डेढ़ माह पहले हुई कार्रवाई के दौरान छूट गए थे। इन्हें जेसीबी और बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। लोगों ने यहां काफी आगे तक गोदाम व कारखाने बनाकर अतिक्रमण किया हुआ था।दोपहर को नगर निगम की टीम यहां पुलिस बल के साथ पहुंची। इस दौरान मामूली नोंकझोक के अलावा किसी प्रकार का विरोध नहीं और आसानी से अतिक्रमण हटा दिए गए। नगर निगम ने यहां से तीन ट्रक सामान जब्त किया है।

इंदौर से गिरफ्तार दोनों सोना तस्करों को दिल्ली शिफ्ट किया

सोने की तस्करी के शक में बीते गुरुवार को पकड़े गए दो युवकों से केंद्रीय जांच एजेंसी आईबी के अलावा एटीएस ने पूछताछ शुरू कर दी है। दोनों से पूछताछ के दौरान कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है। उनसे प्रतिबंधित संगठनों के एंगल पर भी पूछताछ की जा रही है।

दोनों को पीएम मोदी के झाबुआ दौरे के पहले इंदौर एअरपोर्ट पर पकड़ा गया था। केंद्रीय खुफिया एजेंसी के इनपुट पर दोनों को पकड़ा था। जांच के दौरान इनके पास से फर्जी पहचान पत्र बरामद हुए थे। दोनों आरोपियों के खिलाफ एरोड्रम थाने में शिकायत की गई थी। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इनसे एसटीएफ ने भी पूछताछ कर रही है।

डीसीपी के मुताबिक आरोपियों मोहम्मद उमर पुत्र मोहम्मद साबिर निवासी ओखला और जाकिर पुत्र अनवर अली ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि वे सोने की तस्करी करते हैं। चेन्नई से बिना बिल का सोना लेकर आते हैं और इंदौर के रास्ते दिल्ली चले जाते हैं। उन्हें तस्करी के बदले कमीशन मिलता है। प्रतिबंधित संगठनों से कनेक्शन की जांच के लिए जांच एजेंसियां उन्हें दिल्ली, हापुड़ और मुस्तफाबाद लेकर रवाना हुई है।

पता चला है कि दोनों आरोपी जब भी सोने की डिलीवरी देने जाते हैं तब नए मोबाइल और नई सिम का इस्तेमाल करते हैं। इतना ही नहीं दोनों ही जहां भी जाते हैं अपनी पहचान छुपाकर जाते। वे जिस भी होटल में जाते हैं फर्जी नाम से ठहरते हैं और यात्रा का टिकट भी फर्जी नाम से ही बनवाते हैं।

बताया जा रहा है कि इनमें से एक आरोपी 5 महीने पहले विदेश यात्रा कर चुका है। इनके पास से जब्त मोबाइल की फोरेंसिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियां पासपोर्ट, सिम, डॉक्यूमेंट की जांच भी की जा रही है।

ऐसे पकड़ाए थे दोनों आरोपी

मुखबिरों से सूचना मिली थी कि चेन्नई से इंदौर आ रहे प्लेन नंबर 6श्व489 से दो संदेही यात्री पहचान छिपाकर सोने की तस्करी कर रहे हैं। अफसरों ने दोनों यात्रियों को रोककर पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि दोनों ने पहचान छिपाकर वोटर आईडी कार्ड से छेड़छाड़ कर नकली आधार बनवा लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)